वर्ष-26 अंक-01 जनवरी - मार्च 2025

संपर्क सरिता

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल की त्रैमासिक पत्रिका

संपादक-मंडल

निदेशक
प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

संपादक
प्रो. पी.के. पुरोहित

सह-संपादक
श्रीमती बबली चतुर्वेदी

डिज़ाइन
श्री जितेन्द्र चतुर्वेदी

छायांकन
श्री रितेन्द्र पवार

Deemed to be University under Distinct Category

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल
(समविश्वविद्यालय, विशिष्ट श्रेणी अंतर्गत)
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार,
शामला हिल्स,
भोपाल 462002,
(म.प्र.) भारत

सोशल मीडिया लिंक
twitter.com/nitttrbpl
faceboo.com/nitttrbhopalofficial
instagram.com/nitttrbhopal

अर्हता निर्माण के साथ-साथ क्षमता निर्माण पर भी फोकस करें: प्रो. सी.सी त्रिपाठी

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापकों के लिए 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संवाद केवल विमर्श का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र के पुनरुत्थान का संकल्प है: श्री मुकुल कानिटकर

संस्थान ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, , मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शोधार्थी समागम का आयोजन।

निटर भोपाल उच्च शिक्षा विभाग के विकास में साक्षी नहीं भागीदार बनेगा: प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

उच्च शिक्षा विभाग के प्राचार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हमारे देश में शिक्षा एवं संस्कृति हमेशा से एक दूसरे के पूरक रहे है : प्रो. सी. सी त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

पीएम ऊषा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बरकतुल्ला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संस्थान में प्राप्त किया अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण

लगातार प्रशिक्षण से ही विद्यार्थी समाज में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं: प्रो. एस. के. जैन

संस्थान में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के यूआईटी के इंजीनियरिंग एवं एमएससी के विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार की पीएम ऊषा योजना के अंतर्गत सीमेंस सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में दिनांक 03 मार्च से 07 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के पहले चरण में 100 विद्यार्थीयों ने आईओटी, रोबोटिक्स, एआई-एमएल, सिमुलेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन, सीएनसी लैब्स में 05 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके कैरियर के लिए ये बहुत ही बड़ा अवसर है कि आपको इस तरह की उच्च तकनीकी प्रयोगशालों में प्रशिक्षण मिल रहा है। एक अच्छे इंजीनियर को इनोवेटर, क्रिएटर, डेवलपर और प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। समाज की समस्याओं की पहचान करें और उनके हल के लिए नवाचार कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने हमारे विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल प्राप्त करने का अनूठा अवसर प्रदान किया है। पहले ऐसे अवसर उपलब्ध नहीं थे, इसलिए विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। विद्यार्थियों को समाज में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लगातार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। एनआईटीटीटीआर भोपाल अब आपका दूसरा "लर्निंग होम" है। डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के जैन व यूआईटी

डायरेक्टर प्रो. नीरज गौर को विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए की गई इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान भविष्य में भी विद्यार्थियों के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। सीओई प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. मनीष भार्गव ने विद्यार्थियों को संस्थान की उच्च तकनीकी प्रयोगशालों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से समन्वयक डॉ. गरिमा सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में नई स्किल्स डेवेलप होंगी जो उनके भविष्य के लिए कारगर सिद्ध होंगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी कौशल के साथ-साथ समस्याओं का समाधान और नए प्रोजेक्ट्स विकसित करने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम का संचालान श्रीमती बबली चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

SIEMENS
SHORT TERM TRAINING PROGRAMME (STTP)
for
Participants of Barkatullah University, Bhopal
VALEDICTORY FUNCTION : 7th March 2025
Organized by
NITTTR, Bhopal - Siemens Centre of Excellence
National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal
NITTTR

SHORT TERM TRAINING PROGRAMME (STTP)
for
Participants of Barkatullah University, Bhopal
VALEDICTORY FUNCTION : 7th March 2025

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापकों के लिए 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अर्हता निर्माण के साथ-साथ क्षमता निर्माण पर भी फोकस करें: प्रो. सी.सी त्रिपाठी

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापकों के लिए आयोजित 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। शिक्षक ही विद्यार्थियों का मूल्यांकन नहीं करते बल्कि समाज भी शिक्षकों का मूल्यांकन करता है। विद्यालय स्तर का विद्यार्थी अपने माता-पिता से अधिक अपने शिक्षक पर विश्वास करता है लेकिन ऐसा क्या होता है कि महाविद्यालय पहुंचते-पहुंचते यह विश्वास थोड़ा कम हो जाता है? शिक्षक को विद्यार्थियों और अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा। उन्होंने कई रोचक उदाहरण देते हुए शिक्षकों से अपील की कि वे विद्यार्थियों के योग्यता निर्माण के साथ क्षमता निर्माण पर भी ध्यान दें और विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रेरित करें। इससे विद्यार्थी रोजगार की बजाय पूरे आत्मविश्वास के साथ व्यवसाय की ओर अग्रसर हो सकेंगे। उच्च शिक्षा के तेजी से बदलते परिदृश्य और एनईपी 2020 के अनुरूप परिणाम आधारित शिक्षा (ओबीई) को अपनाने के लिए शिक्षकों को निरंतर व्यावसायिक विकास और उभरती शैक्षिक रणनीतियों से अद्यतित रहना जरूरी है। संस्थान के डीन कॉरपोरेट एवं इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाले समय में संस्थान उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए उन्हें निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे वे विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें। ओएसडी उच्च शिक्षा डॉ. आजाद अहमद मंसूरी ने संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से शिक्षकों को नए नजरिए से सोचने और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. बशीरउल्ला शेख और डॉ. हुसैन जीवाखान उपस्थित थे तथा कार्यक्रम का संचालन श्रीमती बबली चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

संस्थान में इंडस्ट्री एकेडेमिया कनेक्ट सेमिनार का आयोजन

संस्थान ने सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के सहयोग से इंडस्ट्री एकेडेमिया कनेक्ट सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य अकादमिक ज्ञान और उद्योग अनुप्रयोग के बीच अंतर को कम करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल विकास निदेशक श्री जी.एन. अग्रवाल थे, उन्होंने संस्थान की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनआईटीटीटीआर भोपाल में उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार सभी संसाधन उपलब्ध हैं। यह सहयोग उद्योग में प्रौद्योगिकी विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसर पैदा करेगा। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अपने संदेश में कहा कि हम "कनेक्ट, कोलैबोरेट और क्रिएट" के सिद्धांत पर कार्य करते हैं। संस्थान ने हमेशा शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु बनाने की दिशा में कार्य किया है। प्रभारी निदेशक डॉ. आर.के. दीक्षित ने कहा कि इस सहयोग से संस्थान और उद्योग देश की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों, संयुक्त अनुसंधान और परामर्श, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे विभिन्न सहयोग मॉडल पर काम करेंगे, जो दोनों पक्षों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने संस्थान के सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की विभिन्न आधुनिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष भार्गव ने सेमिनार के एजेंडे का विस्तृत विवरण दिया और कहा कि संस्थान उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। सह-समन्वयक डॉ. सीमा वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में 3डी टेक्नोलॉजी के कंट्री हेड श्री अभिजीत कुलकर्णी, प्रख्यात शैक्षणिक विशेषज्ञ, उद्योग पेशेवर, पीएचडी विद्यार्थी, संकाय सदस्य और अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय शोधार्थी समागम

संस्थान ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में 01 से 03 मार्च 2025 तक राष्ट्रीय शोधार्थी समागम का आयोजन किया। इस तीन दिवसीय समागम का उद्देश्य भारत केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देना, भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्स्थापित करना, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए प्रेरित करना तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने हेतु शोध की भूमिका पर मंथन करना था।

इस समागम में देश भर से 280 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिसमें 30 से अधिक शिक्षाविदों व विद्वानों ने 14 से अधिक सत्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध चिंतक आचार्य श्री मिथिलेश नन्दिनीशरण महाराज ने भारतीय विश्वास परंपरा की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि देश विचार नहीं, विश्वास की परंपरा पर आधारित है, और हमारी शिक्षा व्यवस्था को उसी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि हमारे धर्म और परंपराओं में विज्ञान निहित है। यह वैज्ञानिकता हमारी संस्कृति का आधार है और इसे शोध का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में प्रख्यात विचारक श्री मुकुल कानिटकर ने ज्ञान और आनंद के परस्पर संबंध की व्याख्या करते हुए कहा कि संवाद केवल विमर्श का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र के पुनरुत्थान का संकल्प है। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर नचिकेता तिवारी ने ज्ञान को सनातन बताते हुए भारतीय दृष्टिकोण से शोध की आवश्यकता पर बल दिया। पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने भारतीय वाचिक परंपरा पर अपने विचार रखते हुए बताया कि "धरती माता", "गौ माता", "नदी माता" जैसी चेतनाएँ हमारी संस्कृति की मौलिक विशेषता हैं, जिन्हें शोध का हिस्सा बनाना आवश्यक है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण महाराज ने शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे अनुसंधान में भारतीयता को पुनः स्थापित करें। समागम के दौरान संस्थान निदेशक प्रो. चंद्रचारु त्रिपाठी ने संस्थान में भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग की स्थापना की घोषणा की जिससे तकनीकी शिक्षा को भारतीय दर्शन से जोड़ा जा सकेगा। मध्यप्रदेश खाद्य आयोग के प्रो. वी.के. मल्होत्रा, एनएलआईयू के कुलगुरु प्रो. एस. सूर्यप्रकाश, मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी सहित अनेक विद्वानों ने भारत केंद्रित अनुसंधान, नवाचार, निवेश और वैश्विक नेतृत्व की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। दतोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान,भोपाल के निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा ने समापन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इसे भारत केंद्रित अनुसंधान की दिशा में एक सशक्त सेतु करार दिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अजय कुमार जैन द्वारा किया गया।

एनआईटीटीटीआर और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

हमारे देश में शिक्षा एवं संस्कृति हमेशा से एक दूसरे के पूरक रहे है : प्रो. सी. सी त्रिपाठी

संस्थान और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दोनों संस्थानों के निदेशकों ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक, सांस्कृतिक और भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देना है, जिससे संस्थान के कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए और बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश में शिक्षा और संस्कृति एक दूसरे के पूरक रहे हैं। आज के डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, विस्तार और जन सामान्य तक पहुँचाना पहले से कहीं अधिक सरल हो गया है। दोनों संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी समाज के हित में होगी, और यह दोनों संस्थानों को न केवल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अपने संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करने का अवसर देगा, बल्कि कला और संस्कृति के संरक्षण के लिए भी सक्रिय रूप से काम करने में मदद करेगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे ने कहा कि यह समझौता प्रौद्योगिकी और संस्कृति के संयोजन का एक अद्वितीय प्रयोग है, जो नए अवसरों का सृजन करेगा। प्राचीन विज्ञान आज के नवाचारों की नींव है, और हमारी परंपरागत हर प्राचीन व्यवस्था विज्ञान और इंजीनियरिंग के अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करती है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ही हमारी मान्यताओं को प्रमाणित करने का कार्य करती हैं। इस अवसर पर संस्थान से डीन प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. आर. के. दीक्षित, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. आशीष देशपांडे, डॉ. रोली प्रधान, मेजर निशांत ओझा एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय से डॉ. सूर्यकुमार पांडे, श्री हेमंत बी. एस. परिहार सहित दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

आउटकम बेस्ड एजुकेशन एन्ड एक्रेडिटेशन पर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

संस्थान में आउटकम-आधारित शिक्षा और इंजीनियरिंग महाविद्यालय के एक्रेडिटेशन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों की गुणवत्ता को सुधारने की आवश्यकता है। संस्थान करिकुलम डिज़ाइन और एक्रेडिटेशन के क्षेत्र में देशभर में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। नेशनल बोर्ड ऑफ़ एक्रेडिटेशन (एनबीए) के सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार नासा ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर चर्चा की और नए सेल्फ-असेसमेंट रिपोर्ट के प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। एनबीए के अध्यक्ष डॉ. अनिल सहस्रबुद्धे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और क्वालिटी पैरामीटर्स पर जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि आउटकम-आधारित शिक्षा केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित नहीं है, बल्कि यह अनुभवात्मक (एक्सपीरिएन्शल) ज्ञान पर केंद्रित है, जो विद्यार्थियों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से तैयार करता है।

कार्यशाला में श्री रघुराज माधव राजेंद्रन, सचिव, तकनीकी शिक्षा, मध्य प्रदेश ने कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में किए

जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उड़ीसा ओपन यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रो. एस. एस. पटनायक ने एसेसमेंट और इवैल्यूएशन पर गहन चर्चा की। प्रो. संजय अग्रवाल ने सेल्फ-एससेसमेंट रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया। विशेषज्ञों ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर दिया और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। इस कार्यशाला का संचालन प्रो. पल्लवी भटनागर ने किया। कार्यशाला में मध्य प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 150 से अधिक संकाय सदस्य उपस्थित थे।

नववर्ष 2025: संस्थान के विकास के लिए नए संकल्प

समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है : प्रो. सी. सी त्रिपाठी

नववर्ष 2025 के उपलक्ष्य में, संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और शोधकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वर्तमान समय में हमें संस्थान के विकास के लिए नए संकल्प लेने होंगे, हम सभी को सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करना चाहिए और सामान्य सोच से परे जाकर नया दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने समाज की अपेक्षाओं को अपने कार्य का प्रेरणास्त्रोत मानते हुए कहा कि समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी नैतिक दायित्व है। जब हम समाज की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करते हैं, तो वही अपेक्षाएँ हमें अपने कार्यों को तेज़ी से पूरा करने की प्रेरणा देती हैं। कार्यों में गति तभी आती है जब व्यक्ति के भीतर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा और आकांक्षा होती है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपनी आकांक्षाओं को ऊँचा रखें, अपनी क्षमताओं को पहचानें और उनका सही दिशा में उपयोग करते हुए अपने दायित्वों को सही तरीके से निभाएं।

प्रो. त्रिपाठी ने अनुसंधान और विकास की नई कार्य संस्कृति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि शोधार्थी, कर्मचारी, संकाय सदस्य और परियोजना पर कार्यरत विद्यार्थी अपनी शोध गतिविधियों में किसी भी प्रकार की रुकावट महसूस न करें। इसके अंतर्गत, उन्होंने उत्कृष्टता केंद्र की उन्नत प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों को शनिवार, रविवार और अन्य अवकाश के दिनों में खोलने के निर्देश दिए है। संस्थान का उद्देश्य न केवल उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां शोध, नवाचार और विकास के अनगिनत अवसर उपलब्ध हों। संस्थान की सेंट्रल लाइब्रेरी में शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए 30 इंटरनेशनल ऑनलाइन डाटाबेस के माध्यम से 15,000 ऑनलाइन जर्नल्स का एक्सेस, लगभग 2000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगजीन और 50,000 प्रिंटेड बुक्स उपलब्ध हैं, जिनमें 10,000 पुस्तकें हिंदी साहित्य पर आधारित हैं। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा पर एक नया संग्रह जल्द ही जोड़ा जाएगा। संस्थान में शोधार्थियों के लिए इंडस्ट्री 4.0 के अंतर्गत 11 उच्च तकनीकी प्रयोगशाला उपलब्ध हैं, जो शैक्षिक संस्थानों और इंडस्ट्रीज के लिए भी आवश्यकतानुसार उपयोग की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान भविष्य की जरूरतों के अनुसार 12 स्किल-बेस्ड डिप्लोमा प्रोग्राम्स की शुरुआत करने जा रहा है। इस विशेष अवसर पर डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. अस्मिता खजांची, प्रो. हुसैन जीवाखान, प्रो. चंचल मेहरा और अन्य संकाय सदस्य, शोधार्थी, कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

समृद्ध विरासत के साथ स्वर्णिम विकास की और अग्रसर भारत : प्रो. सी. सी त्रिपाठी

संस्थान में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने ध्वजारोहण किया और सभी को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया कि हम सभी, जहां भी कार्यरत रहे, देश को एक विकासशील से विकसित देश बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करते रहे। हमने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, और आज भारत विश्व मंच पर एक नए गौरव के साथ उभरा है। प्रो. त्रिपाठी ने संस्थान के विकास के नए प्रयासों से भी सभी को अवगत कृते हुए कहा कि संस्थान ने ड्रोन टेक्नोलॉजी, सेमी कंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इसके साथ ही, सम-विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त करने के बाद संस्थान ने नए विषयों पर डिग्री, डिप्लोमा और पीएचडी कोर्सेस की शुरुआत की है, जो विद्यार्थियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के नए अवसर प्रदान करेंगे। प्रो. त्रिपाठी ने संस्थान की भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला, जिसमें तकनीकी शिक्षा और शोध के क्षेत्र में और अधिक नवाचार और विकास की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में श्रीमती वंदना त्रिपाठी, प्रो. आर. के. दीक्षित, प्रो. सुब्रत रॉय और अन्य संकाय सदस्य, अधिकारी और कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

मेरा नाम मेरा पेड़

बच्चों में पर्यावरण जागरूकता के लिए संस्थान की नई पहल

संस्थान ने बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अभिनव पहल शुरू की है जिस के अंतर्गत संस्थान परिवार के सभी बच्चों को उनके नाम की तख्ती के साथ फलदार और छायादार पौधों का पालन करने का अवसर दिया गया है। हर बच्चे को यह समझाया गया कि जिस पौधे पर उनका नाम लिखा होगा, उसकी देख-रेख का दायित्व अब उसी बच्चे पर होगा। जैसे ही बच्चों ने अपने नाम वाली तख्तियाँ अपने पौधों के पास देखीं, उनके चेहरों पर ख़ुशी और "मेरा नाम, मेरा पेड़" की भावना का उत्साह साफ देखा गया। अब ये बच्चे प्रतिदिन अपने-अपने पौधों की देखभाल करने के लिए जाएंगे, जिससे उनका पर्यावरण के प्रति भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने इस पहल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और जागरूक बनाना भी है। बच्चों में इस तरह का भावनात्मक जुड़ाव तभी संभव है जब उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझने और उस पर काम करने का अवसर मिले। इसके साथ ही, संस्थान ने अपने कैंपस में "**वीर बाल उद्यान**" बनाने की योजना भी बनाई है। यह उद्यान बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा, जहाँ वे खेल-कूद के साथ-साथ शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भी समझ सकेंगे। इस अवसर पर श्रीमती वंदना त्रिपाठी, संस्थान के संकाय सदस्य, कर्मचारी और उनके बच्चे उपस्थित थे।

विज्ञान दीर्घा: अतीत की प्रेरणा, भविष्य की दिशा

विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम है भारत: प्रो. सी. सी त्रिपाठी

विज्ञान दिवस के अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अपने प्रेरणादायी संदेश में कहा कि भारत प्राचीन काल से ही विज्ञान और नवाचार में समृद्ध रहा है। आज जब हम 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने' जैसे महत्त्वपूर्ण विषय को केंद्र में रखकर विज्ञान दिवस मना रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हमारे युवा अपनी विज्ञान-धरोहर के वाहक बनें और आधुनिक अनुसंधान में भारतीय मूल्यों एवं

वैज्ञानिक सोच को समाहित करें। संस्थान विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरित करने और भारत की समृद्ध वैज्ञानिक परंपरा को सम्मान देने के लिए निरंतर सक्रिय है। डीन, साइंसेज प्रोफेसर पी.के. पुरोहित ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को विद्यार्थियों तक पहुँचाना आज की आवश्यकता है। हमारा संस्थान आधुनिक तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक और वैज्ञानिक धरोहर को जोड़ने के प्रयास कर रहा है, इसी क्रम में तीन वर्ष पूर्व, विज्ञान दिवस के अवसर पर, संस्थान ने एक अभिनव पहल करते हुए प्राचीन एवं आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों और गणितज्ञों के योगदान को दर्शाने वाली एक स्थायी दीर्घा की स्थापना की थी। यह दीर्घा न केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का दृश्य दस्तावेज़ है, बल्कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणास्रोत भी बन चुकी है। देशभर से संस्थान में प्रशिक्षण के लिए आने वाले शिक्षक और विद्यार्थी इस दीर्घा से प्रेरणा ग्रहण करते हैं और भारत की वैज्ञानिक विरासत से जुड़ाव महसूस करते हैं। यह दिवस विशेष रूप से नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन की रमन प्रभाव की खोज के स्मरण और वैज्ञानिकों के अतुलनीय योगदान को सम्मानित करने हेतु मनाया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. हुसैन जीवाखान, डॉ. बशीरउल्लाह शेख, डॉ. इज़हार अहमद, संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश सरकार, उच्च शिक्षा विभाग के प्राचार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

निटर भोपाल उच्च शिक्षा विभाग के विकास में साक्षी नहीं भागीदार बनेगा: प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के प्रधानमंत्री उत्कृष्ट एवं स्वशासी महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए संस्थान में 10 से 12 मार्च तथा 17 से 19 मार्च 2025 तक "संस्थान के संचालन एवं प्रबंधन के लिए शैक्षणिक नेतृत्व विकास" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में प्रभावी नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के लिए तैयार किये गए थे। संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने प्रथम बैच के प्राचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आप सभी को उत्कृष्ट संस्थाओं के विकास का दायित्व मिला है। हमारा संस्थान आपके विकास में साक्षी नहीं भागीदार बनेगा। रुल बेस्ड की जगह रोल बेस्ड एप्रोच से कार्य करे। आप सभी को आत्मनिर्भर संस्थाओं का विकास करना है। व्यक्ति को उसकी क्षमता के अनुसार कार्य दें। प्राचार्यों का कर्तव्य है कि वे अपने महाविद्यालयों में एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ विद्यार्थी, शिक्षक और प्रशासन एक साथ मिलकर संस्थान के उद्देश्यों की ओर अग्रसर हो सकें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल विकास, भारत सरकार की कर्मयोगी योजना आदि पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन को संबोधित करते हुए प्रो. धीरेन्द्र शुक्ला, ओएसडी उच्च शिक्षा विभाग ने कहा कि जिस संस्थान में आप कार्य करते है वह आपके लिए सर्वोपरि होना चाहिए। "मैं" से "हम" बने तो संस्थान आगे बढ़ेंगे। आप सभी कुशल प्रशासक के रूप में उदहारण प्रस्तुत करे। शिक्षण संस्थानों में प्रभावी नेतृत्व से ही समाज में बदलाव संभव है।

डीन कॉरपोरेट एवं इंटरनेशनल रिलेशंस प्रो. पी.के पुरोहित ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीआरएफ), राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा गुणवत्ता रूपरेखा (एनएचईक्यूएफ) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित पाठ्यचर्या दिशा-निर्देशों के आलोक में आयोजित किया गया है। इसके अलावा डिजिटल तकनीक, स्वाट (एसडब्ल्यूओटी) विश्लेषण, संस्थान के लिए विजन, मिशन और लक्ष्य तैयार करने की प्रक्रिया, नैक और एनआईआरएफ जैसी प्रमुख शैक्षिक नीतियों और प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया गया। उच्च शिक्षा विभाग के प्रो. अजय अग्रवाल ने निटर भोपाल और उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि शैक्षिक नेतृत्व को प्रभावी बनाने के लिए निरंतर सीखने और आत्ममूल्यांकन की आवश्यकता होती है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बीएल गुप्ता थे और संकाय सदस्यों के रूप में प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. पराग दुबे और प्रो. आशीष देशपांडे ने सहयोग प्रदान किया।

Welcome to Training Programme on
Academic Leadership Development
for Governance and Management of the
Institute
17-19 March 2025
NITTTR, Bhopal

Welcome to Training Programme on
Academic Leadership Development
for Governance and Management of the
Institute
17-19 March 2025
NITTTR, Bhopal

संस्थान और डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

संस्थान और डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से संसाधन साझाकरण, ज्ञान का आदान-प्रदान और संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों की योजना बनाएंगे और उन्हें क्रियान्वित करेंगे, जिससे दोनों संस्थानों के कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि हर संस्थान की अपनी विशेषता होती है, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के सबसे पुराने संस्थानों में से एक है और यहां लगभग हर विषय में शिक्षण और शोध कार्य हो रहा है। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि निटर भोपाल देश का अग्रणी संस्थान है। आज समय आ गया है कि दोनों संस्थान एक साथ आएं और अपने संसाधनों का लाभ एक-दूसरे को प्रदान करें। निटर ने विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका लाभ हमारे संस्थान को भी मिलेगा। निटर भोपाल के डीन कॉरपोरेट एवं इंटरनेशनल रिलेशंस प्रो. पी.के पुरोहित ने बताया कि समझौता ज्ञापन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक संस्थान से एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा तथा इस एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थान उच्च शिक्षा, नवीन तकनीक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय से प्रो. अनिल कुमार जैन, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. एस.पी उपाध्याय उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के ग्रंथपालों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डिजिटल युग में तकनीकी दृष्टिकोण से अनुकूलन पर ध्यान दें: प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के ग्रंथपालों के लिए संस्थान में "आधुनिक पुस्तकालय एवं उभरती हुई तकनीकें" विषय पर 06 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रंथपालों का कार्य केवल पुस्तकों एवं सूचनाओं का प्रबंधन करना ही नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा, सूचना एवं व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करना भी है। समाज के समग्र विकास एवं परिवर्तन में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी को डिजिटल युग में तकनीकी दृष्टिकोण से अनुकूलन पर भी ध्यान देना चाहिए। एनआईटी अगरतला के निदेशक प्रो. अभय कुमार ने आधुनिक पुस्तकालयों में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग पर चर्चा की तथा बताया कि किस प्रकार एआई पुस्तकालयाध्यक्ष के कार्य को अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बना सकता है। उन्होंने डिजिटल स्टोरेज, डेटा एनालिटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी, जिससे पुस्तकालय अधिक उपयोगी एवं सुलभ बनेंगे। संस्थान के डीन कॉरपोरेट एवं इंटरनेशनल रिलेशंस प्रो. पी.के पुरोहित ने कहा कि ग्रंथपाल समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनका योगदान कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है। आईआईएसईआर भोपाल के डॉ. संदीप कुमार पाठक ने डिजिटल आर्काइव्स, लाइफलॉन्ग लर्निंग और डिजिटल सॉफ़्टवेयर्स जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला और ग्रंथपालों को उभरती तकनीकी नीतियों के साथ अपडेट रहने की आवश्यकता की चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ग्रंथपालों ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन, सूचना प्रबंधन, अनुसंधान सहायता, डिजिटल युग में तकनीकी दृष्टिकोण से अनुकूलन, डिजिटल आर्काइव्स, लाइफलॉन्ग लर्निंग, आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार), प्रबंधकीय कौशल, कम्युनिकेशन स्किल्स, डिजिटल सॉफ्टवेयर्स आदि पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान से श्री महादेव सवदत्ती, श्रीमती शोभा लेखवानी व श्री संजय त्रिपाठी उपस्थित थे।

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग

शिक्षण एवं अनुसंधान में आईसीटी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान में अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 03 से 08 फरवरी 2025 तक "शिक्षण एवं अनुसंधान में आईसीटी के उपयोग के लिए व्यावहारिक कौशल" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के आधुनिक उपकरणों और तकनीकों से लैस करना था, ताकि वे शिक्षण और अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में गुणवत्ता सुधार कर सकें। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आईसीटी के शिक्षण और अनुसंधान में उपयोग से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से लेजर तकनीक के विभिन्न इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिससे शिक्षकों को तकनीकी क्षेत्र में नवाचार की दिशा में प्रेरणा मिली। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरुल्ला शेख थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के. पुरोहित ने योगदान दिया।

शिक्षण-अधिगम में आईसीटी एकीकरण पर कार्यक्रम

संस्थान में अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 27 से 31 जनवरी 2025 तक "शिक्षण-अधिगम में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) एकीकरण" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी शिक्षकों को आईसीटी उपकरणों और संसाधनों का प्रभावी उपयोग सिखाकर उन्हें उनके शिक्षण-अधिगम अनुभव को सशक्त बनाने के लिए तैयार करना था। आईसीटी एक ऐसा माध्यम है जो शिक्षकों को गहन, चिंतनशील एवं अभिनव शिक्षण पद्धतियों को अपनाने की दिशा में सक्षम बनाता है। यह तकनीकी शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल और दक्षताओं के विकास को सुगम बनाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में आईसीटी का समावेश करने हेतु प्रायोगिक ज्ञान, उपकरणों का प्रयोग, और रणनीतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरुल्ला शेख थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. गणपति एस ने योगदान दिया।

मुख्य शिक्षण कौशल पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पर कार्यक्रम

संस्थान में अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 से 22 फरवरी 2025 तक सहायक प्राध्यापकों हेतु "मुख्य शिक्षण कौशल पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित कर, उन्हें नवीन शैक्षणिक रणनीतियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को अधिक प्रभावी शिक्षण कौशल, परिणाम-आधारित शिक्षा की अवधारणा, और आईसीटी उपकरणों के प्रभावी उपयोग के साथ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को और अधिक समृद्ध बनाना था। यह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शिक्षकों को न केवल मुख्य शिक्षण कौशलों में पारंगत करता है, बल्कि उन्हें अधिगम केंद्रित दृष्टिकोण, इंटरएक्टिव एवं सहभागी शिक्षण तकनीकों, और तकनीकी शिक्षा के आधुनिक आयामों से परिचित कराता है। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरुल्ला शेख थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो.एम.ए रिजवी, प्रो. जे.पी टेगर व प्रो. हुसैन जीवाखान ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

संस्थान में अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 03 से 14 मार्च 2025 तक इंडक्शन प्रोग्राम, फेज-1 आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आर्थिक वैश्वीकरण, उद्योग 4.0 और डिजिटलीकरण के वर्तमान युग में तकनीकी शिक्षा को कई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए शिक्षकों को न केवल विषय विशेषज्ञता, बल्कि प्रभावी शैक्षणिक रणनीतियों, कक्षा प्रबंधन एवं प्रयोगशाला निर्देशनों जैसे शैक्षणिक कौशल में भी दक्ष होना आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इंडक्शन प्रोग्राम (चरण-1) को एनईपी 2020 की अनुशंसा के अनुरूप डिज़ाइन किया गया था। इसका उद्देश्य नवप्रवेशी और अभ्यासरत शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण-अधिगम वातावरण तैयार करने हेतु आवश्यक शैक्षणिक कौशल और दृष्टिकोण से सुसज्जित करना है। जिससे वे प्रभावी रूप से कक्षा, प्रयोगशाला और कार्यशाला जैसे विविध शिक्षण संदर्भों में कार्य कर सकें। यह कार्यक्रम शिक्षकों को शिक्षण की कला और सार्थक अधिगम की रणनीतियों से अवगत कराता है। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरुल्ला शेख थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एम.सी. पालीवाल व डॉ. सी. एस. राजेश्वरी ने योगदान दिया।

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के तकनीशियन हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संस्थान में अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 24 से 26 फरवरी 2025 तक मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के तकनीशियन हेतु "विज्ञान उपकरणों का संचालन एवं रखरखाव" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रयोगशालाओं में प्रयुक्त उपकरणों के संचालन एवं रखरखाव के महत्व को रेखांकित करना था। उपकरणों की अधिकतम दक्षता सुनिश्चित करने के लिए उनका नियमित रखरखाव आवश्यक है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रयोगशाला में प्रदर्शन, सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु उपकरणों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्रयोगशाला से जुड़ी चुनौतियाँ एवं समाधान, उचित सर्किट रीडिंग और डिज़ाइनिंग, समस्या निवारण की तकनीकें, उपकरणों का प्रभावी रखरखाव, प्रयोगशाला में सुरक्षा मानकों का पालन, प्रयोगशाला का प्रभावी प्रबंधन और सेटअप, प्रयोगों के उचित निष्पादन और उपकरणों के संचालन का प्रदर्शन एवं रखरखाव योजना की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो पी.के पुरोहित थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. हुसैन जीवाखान ने योगदान दिया।

मीडिया अनुसंधान एवं विकास शिक्षा विभाग

दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के मीडिया अनुसंधान एवं विकास शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 20 से 24 जनवरी एवं 03 से 07 मार्च 2025 तक दिल्ली में "दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन" हेतु दो विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभिन्न संस्थानों से 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की प्रशिक्षण अकादमी के संकाय सदस्यों की विशेष मांग पर आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य उनके प्रशिक्षण कौशल को आधुनिक मीडिया उपकरणों, संप्रेषण तकनीकों और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सक्रिय सहभागिता दिखाई। प्रतिभागियों को इंटरएक्टिव सत्रों, केस स्टडीज, डिजिटल टूल्स, और मीडिया-आधारित लर्निंग रणनीतियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संदीप शिवाजी केदार थे एवं प्रो. अस्मिता खजांची थी।

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग शिक्षा विभाग

एआईसीटीई आइडिया लैब टेक फेस्टिवल 2025 में संस्थान की सहभागिता

संस्थान को एआईसीटीई द्वारा आइडिया लैब स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना मिली है, जिसका उद्देश्य युवा दिमागों में नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इस परियोजना का नेतृत्व माननीय निदेशक प्रो. चंद्रचारू त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जबकि परियोजना के प्रमुख शोधकर्ता प्रो. सीमा वर्मा और सह-शोधकर्ता प्रो. विपिन त्रिपाठी हैं। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को नवीनतम तकनीकी नवाचारों से परिचित कराने और उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान हेतु तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। दिनांक 07 मार्च 2025 को एआईसीटीई द्वारा आयोजित एआईसीटीई आइडिया लैब टेक फेस्ट में संस्थान की ओर से प्रो. सीमा वर्मा ने सहभागिता की। इस आयोजन तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण और उभरती प्रवृत्तियों का पता लगाने के लिए एक अद्भुत अवसर प्रदान किया जिसमें 800 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे।

एनईपी 2020: तकनीकी संस्थानों में कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 27 से 31 जनवरी 2025 तक "एनईपी 2020: तकनीकी संस्थानों में कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल सिद्धांतों और लक्ष्यों को समझना एवं उन्हें तकनीकी शिक्षा के संदर्भ में प्रभावी रूप से लागू करने की रणनीतियों का विकास करना था। प्रतिभागियों को एनईपी के व्यापक दृष्टिकोण, जैसे बहु-विषयक शिक्षा, सीखने के परिणामों पर आधारित मूल्यांकन, प्रौद्योगिकी एकीकरण, भाषायी समावेश, और उद्योग–शिक्षा सहयोग जैसे पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोतनीस थी व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. सी. एस. राजेश्वरी व प्रो. सूसन एस. मैथ्यु ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम- फेज II आयोजित

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 06 से 17 जनवरी 2025 तक "इंडक्शन प्रोग्राम-फेज II" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न आधुनिक और नवाचारी शैक्षिक विधियों और तकनीकों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इनोवेटिव टीचिंग लर्निंग, रिसर्च प्रोजेक्ट प्रपोजल, स्टार्टअप, सिमुलेशन, वर्चुअल लैब और गेमब्लेड लर्निंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल प्रतिभागियों के शैक्षिक और अनुसंधान कौशल को बढ़ाना था, बल्कि उन्हें उद्योग की वास्तविक दुनिया से जोड़कर, उन्हें एक ठोस और सशक्त पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. पल्लवी भटनागर थी व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. जे. पी. टेगर, डॉ. मनीष भार्गव व डॉ. ए.के. जैन ने योगदान दिया।

इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 03 से 07 फरवरी 2025 तक "इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को इलेक्ट्रिक वाहनों की संरचना और संचालन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से इलेक्ट्रॉनिक आर्किटेक्चर के प्रकार, इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी (ईवीटी), बैटरी स्टोरेज, बैटरी प्रबंधन प्रणाली और फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वाहनों (एफसीईवी) पर विस्तार से जानकारी दी गई। इन तकनीकी विषयों ने प्रतिभागियों को आधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया और इसके संचालन में आने वाली चुनौतियों और अवसरों को समझने का अवसर प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था, प्रतिभागियों को इलेक्ट्रिक वाहन की तकनीकी जटिलताओं और संभावनाओं से अवगत कराना, ताकि वे इस उभरते हुए क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता को बढ़ा सकें और भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक मजबूत योगदान दे सकें। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. पल्लवी भटनागर थी व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए. एस. वाल्के ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम- फेज I आयोजित

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 27 जनवरी से 07 फरवरी 2025 तक तक "इंडक्शन प्रोग्राम- फेज I" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को शैक्षिक क्षेत्र में आधुनिक परिवर्तन और सुधारों से अवगत कराया गया। विशेष रूप से, एनईपी 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020) का तकनीकी शिक्षा प्रणाली पर प्रभाव, सीखने के डोमेन, परिणाम-आधारित शिक्षा, मिश्रित और फ्लिप्ड लर्निंग, थिंक-पेयर-शेयर जैसी शैक्षिक रणनीतियाँ, आईसीटी टूल्स और शैक्षिक मीडिया का अवलोकन, पाठ्यक्रम योजना की तैयारी, रूब्रिक्स, प्रयोगशाला और कार्यशाला का मूल्यांकन, और प्रोजेक्टवर्क जैसी विषयों पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में अभिनव टीचिंग-लर्निंग (टीएल) दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागियों को नए और प्रभावी शिक्षण विधियों को अपनाने की प्रेरणा मिली। इसके अतिरिक्त, माइक्रो-शिक्षण अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों ने छोटे, सटीक और प्रभावी शिक्षण तकनीकों पर भी ध्यान केंद्रित किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. संजीत कुमार थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. जे. पी. टेगर, डॉ. मनीष भार्गव व डॉ. ए.के. जैन ने योगदान दिया।

मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग

कैड के बहुविषयक अनुप्रयोगों पर कार्यशाला

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 17 से 21 मार्च 2025 तक "कंप्यूटर एडेड डिजाइन (कैड) के बहुविषयक अनुप्रयोगों" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के13 व्याख्याताओं ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कैड के बहुविषयक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था, ताकि वे इस तकनीक का उपयोग कर तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा दे सकें। कार्यशाला में मैकेनिकल तथा सिविल अभियांत्रिकी घटकों की थ्री-डायमेंशनल मॉडलिंग, डिजाइन में संशोधन, बेजियर तथा बी-स्पलाइन कर्व और सरफेस रिप्रेजेंटेशन, तथा सॉलिड मॉडलिंग जैसे उन्नत विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दौरान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पीडीवी लैब में प्रतिभागियों के लिए विशेष प्रयोगात्मक अभ्यास सत्र आयोजित किए गए, जहाँ उन्होंने कैड टूल्स के उपयोग द्वारा मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से सीखा और अनुभव किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. वी.के. त्रिपाठी थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. आर.के. गुप्ता ने योगदान दिया।

"सरकारी सामाजिक प्रचार गतिविधियाँ" विषय पर कार्यशाला

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 06 से 07 मार्च 2025 तक "सरकारी सामाजिक प्रचार गतिविधियाँ" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में संस्थान के 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य प्रतिभागियों को सामाजिक सरोकारों, सतत विकास लक्ष्यों तथा नागरिकों के सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग बनाना था। कार्यशाला में यह समझाया गया कि आज के समय में सरकारी तंत्र, तकनीकी संस्थान, और समाज के बीच समन्वय स्थापित करना कितना आवश्यक है, जिससे विकास की प्रक्रियाएँ समावेशी और टिकाऊ बन सकें। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि उन्हें मूल्य आधारित सामाजिक गतिविधियों पर व्यावहारिक कार्य करने का भी अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को भोपाल स्थित जनजातीय संग्रहालय एवं राज्य संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया, जिससे वे भारतीय संस्कृति, परंपरा, और आदिवासी जीवन के विविध पहलुओं को गहराई से समझ सकें। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. रवि कुमार गुप्ता थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. विपिन कुमार त्रिपाठी, डॉ. सुब्रत रॉय व डॉ. पराग दुब ने योगदान दिया।

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

एडवांस्ड पेडागॉजी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 13 से 17 जनवरी 2025 तक "एडवांस्ड पेडागॉजी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, उभरती तकनीकों एवं सूचना के तीव्र प्रसार के संदर्भ में शिक्षकों की भूमिकाओं को पुनः परिभाषित करते हुए उन्हें 21वीं सदी की शिक्षा प्रणाली के अनुरूप पुनः प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन प्रदान करना था। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में एनईपी 2020 एवं इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन 4.0 के अंतर्गत तकनीकी शिक्षा प्रणाली पर उनके प्रभावों की विवेचना, परिणाम आधारित शिक्षा की प्रभावी कार्यान्वयन रणनीतियाँ, उन्नत शिक्षण विधियाँ जैसे आईसीटी टूल्स, रचनात्मक तकनीकें और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियाँ, विद्यार्थी मूल्यांकन एवं उच्च स्तरीय चिंतन कौशल के नवाचारी उपकरणों तथा उद्योग सहयोग के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप योजनाओं की जानकारी शामिल थीं। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेश पी. खंबायत थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अस्मिता खजांची ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

संस्थान के तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 17 से 28 मार्च 2025 तक इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 42 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा के परिदृश्य में हो रहे तीव्र परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए नवप्रवेशित शिक्षकों को आवश्यक शैक्षणिक, पेडागॉजिकल और व्यावसायिक दक्षताओं से सुसज्जित करना था। आर्थिक वैश्वीकरण, उद्योग 4.0 और डिजिटलीकरण के वर्तमान युग में तकनीकी शिक्षा प्रणाली को नए आयामों में ढालने की आवश्यकता है। इसी दिशा में यह इंडक्शन प्रोग्राम शिक्षकों को उभरती भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, शिक्षण-अधिगम सिद्धांतों, पाठ्यक्रम विश्लेषण, सीखने के परिणामों की व्याख्या, प्रस्तुति कौशल, तथा नवीन शिक्षण रणनीतियों के अभ्यास का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजना तिवारी थी व डॉ. ए. एस.वालके थे तथा संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजलि पोटनिस व डॉ. बीएल गुप्ता ने योगदान दिया।

पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग

पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 06 से 10 जनवरी 2025 तक संजीवनी संस्थान, कोपरगांव, महाराष्ट्र में "पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में किया गया था, जिसका उद्देश्य तकनीकी शिक्षकों को परिणाम आधारित पाठ्यक्रम निर्माण की दिशा में सक्षम बनाना था। इस दौरान पाठ्यक्रम विकास की अवधारणाओं, रणनीतियों और व्यावहारिक पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। प्रतिभागियों को एनईपी 2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने, उसके कार्यान्वयन तथा मूल्यांकन की पद्धतियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का विशेष केंद्र आउटकम बेस्ड एजुकेशन की अवधारणा पर रहा, जिसमें आधुनिक शैक्षणिक प्रवृत्तियों को समझाने के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से पाठ्यक्रम निर्माण के उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का उद्देश्य परिणाम आधारित पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास पर तकनीकी शिक्षकों की क्षमता निर्माण पर विचार-विमर्श करना रहा था। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू रौले थी व संकाय सदस्य के रूप में डॉ.निशीथ दुबे ने योगदान दिया।

परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन पर कार्यक्रम

संस्थान में पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 27 से 31 जनवरी 2025 तक "एसबीटीई, पटना के परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन (प्रश्न पत्र और प्रयोगशाला मैनुअल विकास)" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न संस्थानों से 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विशेष रूप से तकनीकी शिक्षकों की दक्षता व समझ को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया था। इस कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रश्न पत्र निर्माण, प्रयोगशाला मैनुअल तैयार करने की रणनीतियाँ, तथा कोर्स आउटकम्स के सटीक निर्धारण जैसे महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू रौले थी व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. जे. पी. टेगर ने योगदान दिया।

एम.एस.बी.टी.ई. परियोजना-कार्यशाला

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 03 से 07 एवं 24 से 28 मार्च 2025 तक पुणे में अभियांत्रिकी व पॉलिटेक्निक संस्थान के सहयोग से दो "एम.एस.बी.टी.ई., परियोजना-कार्यशाला" का आयोजन किया गया। पुणे के विभिन्न संस्थानों से 80 प्रतिभागियों ने प्रथम कार्यशाला व 83 प्रतिभागियों ने द्वितीय कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महाराष्ट्र राज्य के एमएसबीटीई (MSBTE) से संबद्ध 49 डिप्लोमा कार्यक्रमों के छठे सेमेस्टर हेतु 90 कोर्सेस का पाठ्यक्रम तैयार करना था, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ़-2023) की नवीनतम गाइडलाइन्स के अनुरूप ढाला गया। पाठ्यक्रम की रूपरेखा, संरचना और परिणाम-आधारित दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कोर्स की डिटेलिंग की गई। संस्थान की ओर से प्रथम कार्यशाला में डॉ. आर. के. कपूर, डॉ. एम. ए. रिज़वी, प्रो. एस. एस. मैथ्यू, डॉ. सी. एस. राजेश्वरी, तथा डॉ. ए. एस. वाल्के तथा द्वितीय कार्यशाला में डॉ. अंजू रौले, डॉ. ए. के. सराठे, प्रो. चंचल मेहरा, प्रो. एम. सी. पालीवाल, डॉ. निशीथ दुबे, डॉ. वी. डी. पाटिल ने अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। इन दोनों कार्यशालाओं के समन्वयक डॉ. जे. पी. टेगर थे।

ओरिएंटेशन सह क्षमता निर्माण पर कार्यशाला

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा आर्ट संस्थान, महाराष्ट्र के सहयोग से दिनांक 11 एवं 12 मार्च 2025 तक सर जे.जे. स्कूल ऑफ़ आर्ट, मुंबई में "एम.एस.बी.टी.ई., परियोजना-कार्यशाला के अंतर्गत कला शिक्षा शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन सह क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एमएसबीएई, महाराष्ट्र के अंतर्गत आने वाले 12 डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया को एनईपी-2020 और एनसीआरएफ़-2023 के दिशा-निर्देश के अनुरूप आगे बढ़ाना था। कार्यशाला में प्रतिभागियों को करिकुलम निर्माण की प्रक्रिया तथा भविष्य के शैक्षणिक स्वरूप की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया तथा एनईपी-2020 के मूल सिद्धांतों के अनुरूप पाठ्यक्रमों को तैयार करने की तकनीकी व व्यावहारिक विधियों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर एमएसबीएई, मुंबई के निदेशक प्रोफेसर विनोद आर. डांडगे, सचिव श्री संदीप डोंगरे, उप सचिव श्रीमती आरती श्रावस्ती और सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट के प्रभारी कुलपति प्रोफेसर संतोष क्षीरसागर की उपस्थिति थे। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. जे. पी. टेगर थे।

सामाजिक कल्याण गतिविधियाँ

नि:शुल्क बहुविध स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संस्थान में दिनांक 25 मार्च 2025 को लायंस क्लब भोपाल के सहयोग से सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत नि:शुल्क बहुविध स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस जनकल्याणकारी पहल का उद्देश्य संस्थान के कर्मचारियों एवं परिवारजनों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना था। सर्वप्रथम नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मोतियाबिंद की प्रारंभिक स्क्रीनिंग एवं दृष्टि समस्याओं की पहचान की गई। इस शिविर से कुल 123 लाभार्थी लाभान्वित हुए। इसके साथ ही, एम्स भोपाल के नेत्र विशेषज्ञों द्वारा नेत्रदान की महत्ता पर प्रेरक जानकारी दी गई, जिसके परिणामस्वरूप 23 लोगों ने नेत्रदान हेतु पंजीकरण भी कराया।

इसी के साथ दंत जांच तथा मुख कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 56 लोगों ने अपनी जांच कराई और प्रारंभिक लक्षणों की जानकारी प्राप्त की। यह जागरूकता शिविर विशेष रूप से ओरल हेल्थ को लेकर समाज में बढ़ती चिंता को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। इसके अतिरिक्त, पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक महाविद्यालय, भोपाल के सौजन्य से एक आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें 68 मरीजों को परामर्श दिया गया तथा सभी को नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधियाँ वितरित की गईं। विशेषज्ञों ने जीवनशैली में सुधार एवं आयुर्वेद के दैनिक अनुप्रयोग की उपयोगिता पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

विस्तार केंद्र गोवा में आयोजित कार्यक्रम

सौर संयंत्र डिजाइन एवं इंस्टॉलेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 06 से 10 जनवरी 2025 तक उद्योग विशेषज्ञ सन 360 डिग्री के सहयोग से "सौर संयंत्र डिजाइन एवं इंस्टॉलेशन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गोवा की स्थानीय सौर ऊर्जा क्षमता और सतत विकास के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा प्रणालियों की बुनियादी समझ से लेकर उनकी व्यावसायिक स्थापना और रखरखाव तक, एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सौर ऊर्जा प्रणालियों को प्रभावी ढंग से डिजाइन करने, स्थापित करने और बनाए रखने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

नवीकरणीय ऊर्जा में नवीनतम प्रगति पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 27 से 31 जनवरी 2025 तक उद्योग विशेषज्ञ सन 360 डिग्री के सहयोग से "नवीकरणीय ऊर्जा में नवीनतम प्रगति" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम तकनीकी विकास, वैश्विक रुझानों और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरूप उभरती संभावनाओं से परिचित कराना था। ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य के स्वच्छ ईंधन के रूप में देखा जा रहा है, और सोलर थर्मल तकनीकें ऊर्जा उत्पादन की दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।इस अवसर पर डीटीई गोवा के निदेशक, डॉ. विवेक बी. कामत ने कार्यक्रम में विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ संवाद किया एवं उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

एमपीएफआई, सीआरडीआई एंड ड्यूल फ्यूल इंजन में नवीनतम प्रगति पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 10 से 14 फरवरी 2025 तक मारुति सुजुकी, हुंडई एवं गोवा परिवहन विभाग के सहयोग से "एमपीएफआई, सीआरडीआई एंड ड्यूल फ्यूल इंजन में नवीनतम प्रगति" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों एवं तकनीकी पेशेवरों को इंटरनल कंबशन इंजन तकनीकों के नवीनतम रुझानों से परिचित कराना था। आज के तेजी से बदलते ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मल्टी-पॉइंट फ्यूल इंजेक्शन (MPFI), कॉमन रेल डायरेक्ट इंजेक्शन (CRDI) और ड्यूल फ्यूल इंजन जैसे सिस्टम अत्यधिक प्रासंगिक हैं, और इनकी बेहतर समझ उद्योग के साथ तकनीकी शिक्षा के समन्वय के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

जैव ईंधन में नवीनतम प्रगति पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 18 से 20 फरवरी 2025 तक उद्योग विशेषज्ञ डॉ. जगन्नाथ हिरकुडे के सहयोग से "जैव ईंधन में नवीनतम प्रगति" विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जैव ईंधन की वर्तमान प्रगति, संभावनाओं और व्यावसायिक अनुप्रयोगों के बारे में समग्र जानकारी प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में जैव ईंधन की बुनियादी जानकारी, उत्पादन तकनीकों और पर्यावरणीय प्रभावों को समाहित किया गया, जिसमें वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में इसकी भूमिका पर विशेष बल दिया गया। प्रमुख विषयों में जैव ईंधन के प्रकार व वर्गीकरण (पहली, दूसरी, तीसरी पीढ़ी), फीडस्टॉक व आपूर्ति श्रृंखला, इथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस व उन्नत जैव ईंधनों की उत्पादन तकनीकें, उद्योग से जुड़ी चुनौतियाँ व नीतियाँ, और सफल केस स्टडी शामिल थीं। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

एडवांसेज ऑफ़ रोबोटिक्स यूसिंग रोबोटिक्स किट पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 24 से 28 फरवरी 2025 तक उद्योग विशेषज्ञ इनफाइनाईट 3डी प्लस के सहयोग से "एडवांसेज ऑफ़ रोबोटिक्स यूसिंग रोबोटिक्स किट" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य शिक्षकों को कोडिंग और रोबोटिक्स के क्षेत्र में उभरती जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करना था, ताकि वे नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए पेश किए जा रहे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित कर सकें। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. भूषण सवोइकर और तकनीकी शिक्षा के उप निदेशक डॉ. प्रदीप कुसनूर ने विस्तार केंद्र की व्यावहारिक शिक्षा में भूमिका की सराहना की और भविष्य में अधिक शिक्षकों को इस प्रकार के कार्यक्रमों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

ई-सामग्री विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 03 से 07 मार्च 2025 तक उद्योग विशेषज्ञ इनफाइनाईट 3डी प्लस के सहयोग से "ई-सामग्री विकास" विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से 161 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को ई-लर्निंग के सिद्धांतों, कोर्स डिजाइन, ऑडियो-वीडियो निर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण के साथ रचनात्मक और प्रभावी ई-सामग्री विकसित करने के लिए सक्षम बनाना था। प्रतिभागियों को क्रिएटिव लर्निंग - पावरपॉइंट, कैनवा और गामा.आईओ का उपयोग करके प्रभावी प्रस्तुतियाँ डिजाइन करना, ऑडियो और वीडियो उत्पादन - पॉडकास्ट रिकॉर्डिंग (ऑडेसिटी), वीडियो संपादन (इनशॉट) आदि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

परिणाम-आधारित शिक्षा और प्रत्यायन पर ऑनलाइन कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केंद्र गोवा द्वारा दिनांक 13 से 21 मार्च 2025 तक "परिणाम-आधारित शिक्षा (ओबीई) और प्रत्यायन" विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को ओबीई की अवधारणाओं, कार्यान्वयन तकनीकों और प्रत्यायन प्रक्रियाओं के साथ गहराई से परिचित कराना था, ताकि वे विद्यार्थियों को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्षता के साथ तैयार कर सकें। कार्यक्रम में पाठ्यक्रम योजना बनाना, सीखने के परिणाम तय करना, विद्यार्थी प्रदर्शन का आकलन करना और उद्योग-संलग्न गतिविधियाँ आयोजित करने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे संकाय सदस्य के रूप में डॉ. सुब्रत रॉय ने योगदान दिया।

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

विश्व हिंदी दिवस पर कार्यक्रम

संस्थान के विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में दिनांक 10 जनवरी 2025 को " विश्व हिंदी दिवस" मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रतिभागियों को हिंदी भाषा की महत्ता एवं उसके प्रयोग के विविध पक्षों से अवगत कराया गया। विशेष रूप से, विस्तार केन्द्र के कर्मचारियों ने हिन्दी भाषा में कार्य करते समय अनजाने में प्रयुक्त अन्य भाषाओं (जैसे अंग्रेज़ी) के शब्दों की पहचान की और उन्हें शुद्ध हिंदी में प्रयोग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने यह शपथ ली कि वे कार्यालयीन कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी भाषा का प्रयोग करेंगे और अपने सहयोगियों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

संस्थान के विस्तार केन्द्र अहमदाबाद द्वारा दिनांक 10 से 21 फरवरी 2025 तक इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 58 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नव-नियुक्त एवं अभ्यासरत शिक्षकों को शैक्षणिक कौशल से सुसज्जित कर उन्हें प्रभावी शिक्षण के लिए तैयार करना था। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शिक्षकों के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धतियाँ, परिणाम आधारित शिक्षा, पाठ्यक्रम विकास, मूल्यांकन की विधियाँ, संप्रेषण एवं प्रस्तुतीकरण कौशल, जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही, शिक्षकों को तकनीकी और पेडागॉजिकल कौशल में दक्ष बनाने हेतु इंटरैक्टिव गतिविधियाँ, केस स्टडीज़ और समूह चर्चाएँ भी आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. निशीथ दुबे थे व सह-समन्वयक डॉ. सी. एस. राजेश्वरी थी तथा संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजू रावले, डॉ. पराग दुबे व डॉ. अजंली पोटनीस ने योगदान दिया।

अवरोध

करो बढ़िया काम,

आता है अवरोध,

लोग करते हैं विरोध,

फिर हम करते नया शोध,

सहते लोगों का विरोध,

संघर्षो के बाद मिले सफलता,

आशा फलित होती अपनी,

मुख पर मुस्कान सजे,

राह के कष्ट हम भूल चले,

स्वयं पर गर है विश्वास,

पूरी होगी तेरी आस,

दुःख ना फटके तेरे पास,

बंदे तू ना हो निराश,

जिसने ना कष्ट सहा,

ना चखा सफलता का स्वाद,

हर विपदा से टकराये,

आगे ही बढ़ते जायें,

जीतें उमंग उत्साह से भर,

आस दीप जलायें जायें,

अवसर यूं ना कभी गंवायें,

खुशियां तेरा द्वार खटखटायें,

नयी भोर स्वागत करतीं तेरा,

देखो आया नया सवेरा,

भागा घनघोर अंधेरा।

-श्रीमती वंदना त्रिपाठी

खिड़की का दायरा

खिड़की से दिखाई देता जहां,

देखें चारों ओर मन हो जहां,

किंतु एक सीमा भी है खिड़की की,

एक दायरे के भीतर ही दिखता है इसमें,

विस्तार चाहिए तो खोलना होगा दरवाजा,

हवा भी आयेगी और ताजा,

मन की खिड़की का नहीं दायरा,

देख ले विस्तृत जहां,

पूरा करें सपना यहां,

मन की खिड़की खोल,

देख अंतर्मन को,

जड़ चेतन को,

जाने अपने आपको,

मकान की खिड़की आपको

एक सीमित दायरे तक ही

दिखायेगी,

किंतु झलक दिखला देगी,

कुछ स्पष्ट और कुछ अस्पष्ट,

क्यों कि खिड़की का एक दायरा होता है

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर फिल्म समीक्षा

हिंसा के भेद: 'मिसेज' और 'दो पत्ती' फिल्म के संदेश

-बबली चतुर्वेदी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एक ऐसा अवसर है, जब हम महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों पर विचार करते हैं। यह दिन न केवल महिला सशक्तिकरण की बात करता है, बल्कि उनके संघर्षों और योगदानों को भी पहचानता है। 2025 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विषय होगा **"सभी महिलाओं और बालिकाओं के लिए : अधिकार, समानता, सशक्तिकरण।"** पिछले कुछ वर्षों में, बॉलीवुड फिल्मों ने महिलाओं के मुद्दों पर खास ध्यान दिया है और उन पर आधारित कहानियां भी प्रस्तुत की हैं। ऐसी ही दो फिल्में हैं – "मिसेज" और "दो पत्ती", जो घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के मुद्दे को एक नए दृष्टिकोण से पेश करती हैं।

"मिसेज" – मानसिक उत्पीड़न भी हिंसा है

"मिसेज" एक संवेदनशील और प्रभावी कहानी है, जो मानसिक उत्पीड़न के मुद्दे को बहुत प्रभावी ढंग से सामने लाती है। इस फिल्म की नायिका ऋचा (सान्या मल्होत्रा) एक ऐसे पारिवारिक माहौल में फंसी हुई हैं, जहां उसकी इच्छाओं और स्वतंत्रता को पूरी तरह से नकारा जाता है। उसकी सास, ससुर और पति की मानसिकता उसे घर की चारदीवारी में बंद रखने के लिए मजबूर करती है। **यह फिल्म दर्शाती है कि घरेलू हिंसा का रूप केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक उत्पीड़न के रूप में भी हो सकता है।**

ऋचा की कहानी इस बात को उजागर करती है कि कैसे महिलाएं घर की चारदीवारी में रहते हुए भी मानसिक उत्पीड़न का शिकार हो सकती हैं। ऋचा (सान्या मल्होत्रा) की दुनिया में कोई शराबी या पत्नी को पीटने वाले नहीं हैं, बस कुछ **'सभ्य' पुरुष** हैं - पति दिवाकर कुमार, और उसके ससुर, अश्विन कुमार, जो ताज़े फुल्के ("रोटी नहीं") चाहते हैं, सिलबट्टे पर बनी चटनी, हाथ से धुले कपड़े और ये सब करने के लिए घर पर रहने वाली महिलाएँ। स्त्री रोग विशेषज्ञ होकर भी ऋचा का पति डॉ. दिवाकर अपनी पत्नी की आशाओं से बेखबर हैं।

"दो पत्ती" – शारीरिक हिंसा की सच्चाई

वहीं, "दो पत्ती" एक ऐसी फिल्म है जो शारीरिक हिंसा पर आधारित है और इसके प्रभाव को सशक्त रूप में दिखाती है। ध्रुव (शाहिर शेख) जैसे हिंसक और नियंत्रणकारी पति के साथ सौम्या का विवाह, शारीरिक हिंसा का एक घिनौना उदाहरण प्रस्तुत करता है। फिल्म में यह दर्शाया गया है कि कैसे एक पुरुष का क्रोध और शारीरिक ताकत एक महिला के जीवन को तहस-नहस कर देती है। पति-पत्नी के रिश्ते में जब प्यार की जगह हिंसा ले ले, तो चोट पूरे परिवार और खासकर बच्चों को लगती है। "दो पत्ती" में पति-पत्नी के रिश्ते में हिंसा का प्रवेश उस पारंपरिक सोच को भी उजागर करता है, जो परिवार के भीतर इस प्रकार के उत्पीड़न को नजरअंदाज कर देती है। विडंबना देखिए, हिंसा के इतने खतरनाक रूप को 'घरेलू' कहा जाता है, जिस कारण समाज के ज्यादातर लोग पति-पत्नी के इस आपसी मामले में दखल तक नहीं देते।

दोनों फिल्में घरेलू हिंसा के विभिन्न रूपों को सामने लाती हैं, लेकिन इनका उद्देश्य एक ही है – महिलाओं के अधिकार और उनकी गरिमा की रक्षा करना। "मिसेज" जहां मानसिक उत्पीड़न की सूक्ष्म और नर्मी से दिखाई जाने वाली कहानी है, वहीं "दो पत्ती" शारीरिक हिंसा की सच्चाई को खुलकर पेश करती है। "मिसेज" हमें यह समझने में मदद करती है कि हिंसा केवल शरीर तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह मानसिक रूप से भी एक महिला को तोड़ देती है। दूसरी ओर, "दो पत्ती" शारीरिक हिंसा के माध्यम से महिलाओं के आत्मनिर्भरता को छीनने और उन्हें कमजोर बनाने की प्रक्रिया को बखूबी दर्शाती है।

दोनों ही फिल्में इस बात पर जोर देती हैं कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा मानसिक हो या शारीरिक, समाज के लिए एक गंभीर समस्या है और इस मुद्दे को आवाज़ देनी चाहिए। और यही आवाज़ इन फिल्मो की नायिका उठाती है "मिसेज" की ऋचा मानसिक उत्पीड़न का मुकाबला आत्मविश्वास और साहस से कर अपने सपने पुरे करती है वही "दो पत्ती" की सौम्या शारीरिक हिंसा से अंततः बाहर निकल कर आत्म-सम्मान को पहचानती है।

इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, हम यह न केवल देख सकते हैं कि महिलाएं अपनी स्थिति को बदलने के लिए संघर्ष कर रही हैं, बल्कि यह भी समझ सकते हैं कि किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह मानसिक हो या शारीरिक, महिलाओं के लिए एक अभिशाप है। उन्हें इससे उबरने के लिए समाज से समर्थन, जागरूकता और समझ की आवश्यकता है। यही सशक्तिकरण की दिशा है, जहां महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खड़ी होती हैं और समाज में बदलाव की अलख जगाती हैं।

नोट

संस्थान के कर्मचारी एवं उनके परिवार सदस्य जो अपना लेखन कौशल दिखाने में रुचि रखते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अपने लेख, कविताएँ, लघु कथाएँ राजभाषा सेल (**rajbhashacell@nitttrbpl.ac.in**) को मेल करें।
आपकी प्रस्तुत प्रविष्टियाँ तदनुसार प्रकाशित की जाएँगी।

समाचार पत्रों में संस्थान की गतिविधियाँ

समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी जिम्मेदारी

भोपाल. एनआईटीटीआर भोपाल में नव वर्ष 2025 के शुभारंभ अवसर पर, संस्थान के निदेशक प्रो सी.सी त्रिपाठी ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधकर्ताओं को शुभकामनाएं दी. इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज हम सभी को संस्थान के विकास के लिए नए संकल्प लेने होंगे, सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करना होगा और सामान्य से हटकर विचार व कार्य करने की आवश्यकता है. समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है. लोगों की हमसे अपेक्षाएं ही हमें तेज़ी से कार्य करने की प्रेरणा देती है. कार्यों में गति तभी आती है जब व्यक्ति के भीतर कुछ करने की तीव्र इच्छा और आकांक्षा होती है. अपनी आकांक्षाओं को ऊंचा रखें, अपनी क्षमताओं को पहचाने और उनका सही उपयोग करते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन करें. प्रो. त्रिपाठी ने रिसर्च एवं डेवलपमेंट की नई कार्य संस्कृति के विकास के पर बल देते हुए रिसर्च स्कॉलर्स, स्टाफ, फैकल्टी एवं प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाले स्टूडेंट्स के लिए उत्कृष्टता केंद्र की एडवांस लैब्स एवं लाइब्रेरी को शनिवार और रविवार तथा अन्य अवकाश के दिनों में खोले जाने के भी निर्देश दिए.

एनआईटीटीआर भोपाल में शोध और नवाचार के लिए नई कार्य संस्कृति

भोपाल(काप्र)। एनआईटीटीआर भोपाल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय अब शोध छात्रों, फैकल्टी सदस्यों, और प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सामान्य अवकाश और शनिवार-रविवार को खुले रहेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने रिसर्च एवं डेवलपमेंट की नई कार्य संस्कृति के विकास पर बल देते हुए कहा कि संस्थान के संसाधनों का उपयोग शोध एवं नवाचार के लिए छात्र हित मे व्यापक रूप से होना चाहिए। संस्थान का उद्देश्य न केवल उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहाँ शोध और नवाचार की दिशा में अनगिनत अवसर हों। डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने बताया कि निटर की सेंट्रल लाइब्रेरी में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए 30 इंटरनेशनल ऑनलाइन डाटाबेस के माध्यम से 15,000 ऑनलाइन जर्नल्स का एक्सेस किया जा सकता है। लगभग 2000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगज़ीन पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 2,000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगज़ीन और इंजीनियरिंग एजुकेशन से संबंधित एक समृद्ध कलेक्शन उपलब्ध है। पुस्तकालय में लगभग 50,000 प्रिंटेड बुक्स हैं, जिनमें से 10,000 पुस्तकें हिंदी साहित्य पर आधारित हैं। पुस्तकालय में जल्द ही भारतीय ज्ञान परंपरा पर भी एक नया कलेक्शन जोड़ा गया है।

टेक्नोलॉजी से सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, विस्तार आसानः प्रो. त्रिपाठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के बीच एमओयू पर साइन हुए। निटर में बैठक में दोनों संस्थानों के डायरेक्टर ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के अकादमिक, सांस्कृतिक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देना है, जिससे दोनों संस्थानों के कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर निटर के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश में शिक्षा एवं संस्कृति एक दूसरे के पूरक रहे हैं। आज टेक्नोलॉजी के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, विस्तार एवं जन सामान्य तक पहुंचाना आसान है। संस्थानों की आपसी भागीदारी समाज के हित में होगी।

मेरा नाम-मेरा पेड़ | बच्चों के लिए एनआईटीटीआर भोपाल की नई पहल

बच्चे लगाएंगे पौधे, देखरेख भी खुद करेंगे

भोपाल, 08 जनवरी. एनआईटीटीआर भोपाल ने एक अभिनव पहल शुरू की है, जिससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा उत्पन होगा. संस्थान परिवार के सभी बच्चों को अपने नाम की तख्ती के साथ फलदार और छायादार पौधों का पालन करने का अवसर दिया.

उन्हें बताया गया कि पौधे पर जिस बच्चे का नाम लिखा है, उसकी देख-रेख का जिम्मा अब उसी बच्चे पर होगा. जैसे ही बच्चों ने अपने नाम वाली तख्तियाँ अपने पौधों के पास देखी, उनके चेहरों पर खुशी और

मेरा नाम मेरा पेड़ की भावना का उत्साह साफ दिखा. प्रतिदिन ये बच्चे अपने-अपने पौधों को देखने और उनकी देखभाल करने के लिए जायेंगे.

संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने अपने सन्देश में कहा कि इस तरह की पहल का उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी जागरूक और जिम्मेदार बनाना है. बच्चों में यह भावनात्मक जुड़ाव तब ही संभव है जब उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझने का अवसर दिया जाए.| संस्थान के कैंपस में एक वीर बाल उद्यान विकसित किया जाएगा. यह उद्यान बच्चों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन जाएगा, जहां वे खेलकूद, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को एक साथ समझ सकेंगे. इस अवसर पर वंदना त्रिपाठी, संकाय, कर्मचारी एवं उनके बच्चे उपस्थित थे.

आउटकम बेस्ड एजुकेशन एन्ड एक्रेडिटेशन पर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

नित्य नमन टाइम्स | भोपाल

एनआईटीटीआर भोपाल में आउटकम बेस्ड एजुकेशन एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालय के एक्रेडिटेशन पर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। निटर निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने अपने स्वागत सन्देश में कहा कि आज प्रदेश के इंजीनियरिंग महाविद्यालय की गुणवत्ता को सुधरने की आवश्यकता है। निटर भोपाल एक्रेडिटेशन के क्षेत्र में देश भर में कार्य कर रहा है।

प्रो. त्रिपाठी ने निटर भोपाल द्वारा करिकुलम डिज़ाइन एवं अन्य क्षेत्रों में किया जा रहे कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। नेशनल बोर्ड ऑफ़ एक्रिडिटेशन

(एनबीए) के मेंबर सेक्रेटरी डॉ. अनिल कुमार नासा ने इस कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए नए सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट के फॉर्मेट पर जानकारी दी। एनबीए के अध्यक्ष डॉ अनिल सहस्त्रबुद्धे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, क्वालिटी पैरामीटर्स आदि पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आउटकम बेस्ड एजुकेशन थेओरिटिकल नॉलेज नहीं बल्कि इक्स्पीरीएन्शाल नॉलेज पर आधारित है। श्री रघुराज माधव राजेंद्रन, सचिव, तकनीकी शिक्षा, मध्य प्रदेश ने कौशल विकास एवं रोजगार की दिशा में किया जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

उड़ीसा ओपन यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रो एस. एस पटनायक ने एसेसमेंट एंड इवैल्यूएशन पर चर्चा की। प्रो संजय अग्रवाल ने सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट तैयार करने पर जानकारी दी। विशेषज्ञों ने सभी सदस्यों के प्रश्नो पर उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रो पल्लवी भटनागर ने किया। इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजेस के 150 से ज्यादा फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित थे।

एनआईटीटीआर और मानव संग्रहालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

भोपाल। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के बीच एमओयू पर साइन हुए। एनआईटीटीआर भोपाल में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में दोनों संस्थानों के डायरेक्टर ने हस्ताक्षर किये।

इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक, सांस्कृतिक , एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को बढ़ावा देना है, जिससे दोनों संस्थानों के कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर एनआईटीटीआर के निदेशक प्रो. सी. सी त्रिपाठी ने कहा कि हमारे देश

में शिक्षा एवं संस्कृति एक दूसरे के पूरक रहे है। आज टेक्नोलॉजी के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, विस्तार एवं जन सामान्य तक पहुँचाना आसान है। संस्थानों की आपसी भागीदारी समाज के हित में होगी। इस समझौते से दोनों संस्थान न केवल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अपने संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करेंगे, बल्कि कला और संस्कृति के संरक्षण को लेकर भी सक्रिय रूप से काम करेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे ने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से टेक्नोलॉजी और कल्चर का यह अनूठा प्रयोग नए अवसर प्रदान करेगा। प्राचीन विज्ञान आधुनिक नवाचारों की नींव है। आज हमारी परम्परागत हर प्राचीन व्यवस्था विज्ञान एवं इंजीनियरिंग का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है। हमारी मान्यताओं को प्रमाणित करने का कार्य साइंस एवं इंजीनियरिंग का है। इस अवसर पर एनआईटीटीआर से डीन प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. आर. के दीक्षित, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. आशीष देशपांडे , डॉ. रोली प्रधान,मेजर निशांत ओझा एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय से डॉ सूर्यकुमार पांडेय, हेमंत बी एस परिहार सहित फैकल्टी मेंबर्स,अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

निटर और डा. गौर विवि के मध्य एमओयू

भोपाल। निटर (एनआईटीटीआर) भोपाल और डॉक्टर हरिसिंह गौर विवि, सागर के मध्य एमओयू हुआ। इसके अंतर्गत दोनों संस्थान संसाधन साझाकरण, ज्ञान आदान-प्रदान, और संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों की संयुक्त रूप से योजना और कार्यान्वयन करेंगे, जिससे दोनों संस्थानों के कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर एनआईटीटीआर के निदेशक प्रो. सी. सी त्रिपाठी कहा कि हर संस्थान की अपनी स्पेशलिटी होती है। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के सबसे पुराने संस्थानों में से एक है, और यहाँ लगभग हर एक विषय में टीचिंग एंड रिसर्च का कार्य किया जा रहा है। डॉ. गौर विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुसा ने कहा कि निटर देश का प्रमुख संस्थान हैं। आज समय हैं कि संस्थान मिलकर अपने संसाधनो का लाभ एक-दुसरे तक पहुंचाएं। निटर ने विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के साथ एमओयू किए हैं, जिसका लाभ हमारे संस्थान को भी मिलेगा। निटर के डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पीके पुरोहित ने बताया कि दोनों संस्थानों से एक-एक नोडल ऑफिसर नियुक्त किया जायेगा तथा इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से दोनों संस्थान मिलकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने, नई तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान की दिशा में कार्य करेंगे।

समाचार पत्रों में संस्थान की गतिविधियाँ

Training teaching skills at NITTTR

Bhopal: NITTTR Bhopal has taken an innovative initiative for training the academic and non-academic cadre posted in government and autonomous colleges under the Madhya Pradesh Government Higher Education Department. NITTTR Bhopal's Dean Corporate and International Relations Prof. P.K Purohit said that in the first phase, the principals of Prime Minister Excellence and Autonomous Colleges will be trained on Academic Leadership Development for Governance and Management of the Institute, Assistant Professors on Core Teaching Skills and Technical Staff on Operation and Maintenance of Equipment. In the first program, 55 Assistant Professors of Higher Education from across the state are being trained on Core Teaching Skills.

The Director of NITTTR Bhopal, Prof. C.C. Tripathi, in his message, thanked Higher Education Minister Shri Inder Singh Parmar and Commissioner Nishant Warwade for the training of Principals, Faculty and Staff of Higher Education Department. He said that our Institute is the

leading Institute in the country in teacher training. This type of training enhances the capacity of teachers in accordance with the ideals of the National Education Policy, which benefits the students.

Nishant Warwade, Commissioner Higher Education, in his message said that teacher training not only enhances the capacity of teachers, but it also improves the quality of the overall education system. Keeping in mind the rapid changes taking place in society, technological advancement, and global conditions, it is very important for teachers to have training so that they can face these challenges and implement them in their teaching. On this occasion, OSD of Higher Education Dr. Azad Mansoori and Dr. Bashirullah Shaikh, Dr. MA Rizvi of NITTTR Bhopal were present.

MECON LIMITED
(A PSU under Ministry of Steel, Govt. of India)
H.O: Doranda, Ranchi-834002:

Society also evaluates teachers: Prof. Tripathi

Bhopal: Teachers should be sensitive towards students. Not only teachers evaluate students but society also evaluates teachers. A student at school level trusts his teacher more than his parents, but what happens that this trust diminishes by the time he reaches college? The teacher will have to live up to the expectations of students and parents.

These views were expressed by Prof. C.C. Tripathi, Director, NITTTR. He was addressing the 12-day special training program organized for Assistant Professors of Higher Education Department. Giving many interesting examples, he appealed to the teachers to focus on capacity building along with qualification building of the students and motivate the students for vocational education.

Tripathi said this will enable students to move towards vocation with confi-

dence instead of employment. In order to adopt outcome-based education (OBE) in accordance with the rapidly changing scenario of higher education and NEP 2020, it is necessary for teachers to remain updated with continuous professional development and emerging educational strategies.

Dean Corporate and International Relations of NITTTR Bhopal, Prof. PK Purohit, while highlighting the objective of this program, said that in the coming time, NITTTR will provide continuous training to the teachers of Higher Education Department to empower them in the field of teaching-learning, so that they can provide better guidance to the students.

OSD Higher Education Dr. Azad Ahmed Mansoori said that such training programs will help teachers to think from a new perspective and prepare students for future challenges. Dr. Bashirullah Sheikh and Dr. Hussain Jivakhan of NITTTR were present. The program was conducted by Mrs. Babli Chaturvedi.

प्रशिक्षण से प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं छात्र

▸ निटर में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

भोपाल, 07 मार्च. निटर भोपाल के सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 03 मार्च से 07 मार्च तक बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के यूआईटी के इंजीनियरिंग और एमएससी के 100 विद्यार्थियों लिए 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ.

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के जैन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने हमारे विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल प्राप्त करने का अनूठा अवसर प्रदान किया है. पहले ऐसे अवसर उपलब्ध नहीं थे, इसलिए विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहिए. विद्यार्थियों को समाज में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लगातार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है. एनआईटीटीटीआर भोपाल अब आपका दूसरा लर्निंग होम है. यहां बिताए गए 05 दिनों का उपयोग अपने कौशल को बढ़ाने के लिए करें. निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने सभी छात्रों से कहा कि यह प्रशिक्षण आपके करियर में एक अहम कदम है, और आपको इन तकनीकी क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता विकसित करने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए. इस प्रशिक्षण से आपको जो तकनीकी कौशल प्राप्त हुआ है, वह आपको ग्लोबल स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी प्रदान करेगा. इस अवसर पर डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित, सीओई प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. मनीष भार्गव, बीयू यूआईटी डायरेक्टर प्रो. नीरज गौर डॉ. गरिमा सिंह उपस्थित थे. संचालन बबली चतुर्वेदी द्वारा किया गया.

Dr. CV Raman: A Source of Inspiration for All : Dr Tripathi

▸ Program organised on National Science Day

Bhopal: NITTTR Bhopal marked National Science Day with a special tribute to the nation's scientific pioneers. Last year, the institute set up a permanent gallery celebrating the contributions of India's great scientists and mathematicians, both ancient and modern. The gallery highlights groundbreaking research and discoveries that continue to influence today's scientific progress.

Teachers, students, and distinguished guests from across India have praised this gallery, which has become an inspiring resource for science enthusiasts. In a special message, NITTTR Director Dr. C.C. Tripathi emphasized the importance of preserving the legacy of these scientists and ensuring their contributions are accessible to future generations. He specifically lauded Dr. C.V. Raman, highlighting his groundbreaking work in Raman scattering, which has applications in diverse fields such as remote sensing and planetary exploration. Dr. Tripathi also noted that NITTTR Bhopal is actively working to incorporate Indian Knowledge Systems into the curriculum, in line with the National Education Policy. The institute is developing state-specific curricula and an online course on the Indian Knowledge System to further promote India's rich scientific heritage. The event was attended by several distinguished guests, including Prof. P.K. Purohit, Prof. M.C. Paliwal, Dr. Izhar Ahmed, and Shri Sanjay Tripathi.

छात्र नवाचार में बनाएं अपनी विशिष्ट पहचान

भोपाल, 3 मार्च. एनआईटीटीटीआर भोपाल में बरकतुल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) भोपाल के यूआईटी के इंजीनियरिंग एवं एमएससी के स्टूडेंट्स के लिए भारत सरकार की पीएम ऊषा योजना के अंतर्गत सीमेंस सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में 3 से 7 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.

इस कार्यक्रम के पहले चरण में 100 विद्यार्थी, आईओटी, रोबोटिक्स, एआई-एमएल, सिमुलेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन, सीएनसी लैब में 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे. इस अवसर पर निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने सभी छात्रों से कहा कि आपके कैरियर लिए ये बहुत ही बड़ा अवसर है कि आपको इस तरह की हाईटेक लैब में ट्रेनिंग मिल रही है. एक अच्छे इंजीनियर को इनोवेटर, क्रिएटर, डेवलपर और प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए. समाज की समस्याओं की पहचान करें और उनके हल के लिए नवाचार कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं.

डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने बरकतुल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के जैन व यूआईटी डायरेक्टर प्रो. नीरज गौर को स्टूडेंट्स ट्रेनिंग के लिए की गई इस पहल के लिए धन्यवाद दिया.

दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं

▸ निटर में महाविद्यालयों के प्राचार्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

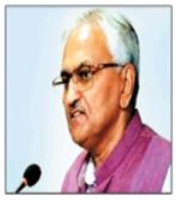

भोपाल, 19 मार्च. एनआईटीटीटीआर भोपाल 17 से 19 मार्च तक मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के प्रधानमंत्री उत्कृष्टता और स्वशासी महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए संस्थान के प्रशासन और प्रबंधन के लिए शैक्षणिक नेतृत्व विकास विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ.

समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. धीरेन्द्र शुक्ला, ओएसडी उच्च शिक्षा विभाग ने कहा कि जिस संस्थान में आप कार्य करते हैं, वह आपके लिए सर्वोपरि होना चाहिए, मैं से हम बने तो संस्थान आगे बढ़ेंगे. आप सभी कुशल प्रशासक के रूप में उदहारण प्रस्तुत करें.

एनआईटीटीटीआर के निदेशक, प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं है. प्राचार्यों का कर्तव्य है कि वे अपने महाविद्यालयों में एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ छात्र, शिक्षक और प्रशासन एक साथ मिलकर संस्थान के उद्देश्यों की ओर अग्रसर हो सकें.

प्रो. संतोष भार्गव ने प्राचार्यों के प्रभावी नेतृत्व के गुणों को रेखांकित किया. प्रो. अजय अग्रवाल ने निटर भोपाल और उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा किशैक्षिक नेतृत्व को प्रभावी बनाने के लिए निरंतर सीखने और आत्ममूल्यांकन की आवश्यकता होती है.

समाचार पत्रों में संस्थान की गतिविधियाँ

एनआईटीटीटीआर भोपाल में शोध और नवाचार के लिए नई कार्य संस्कृति

भोपाल(काप्र)। एनआईटीटीटीआर भोपाल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय अब शोध छात्रों, फैकल्टी सदस्यों, और प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सामान्य अवकाश और शनिवार-रविवार को खुले रहेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने रिसर्च एवं डेवलपमेंट की नई कार्य संस्कृति के विकास पर बल देते हुए कहा कि संस्थान के संसाधनों का उपयोग शोध एवं नवाचार के लिए छात्र हित मे व्यापक रूप से होना चाहिए। संस्थान का उद्देश्य न केवल उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहाँ शोध और नवाचार की दिशा में अनगिनत अवसर हों। डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने बताया कि निटर की सेंट्रल लाइब्रेरी में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए 30 इंटरनेशनल ऑनलाइन डाटाबेस के माध्यम से 15,000 ऑनलाइन जर्नल्स का एक्सेस किया जा सकता है। लगभग 2000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगज़ीन पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 2,000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगज़ीन और इंजीनियरिंग एजुकेशन से संबंधित एक समृद्ध कलेक्शन उपलब्ध है। पुस्तकालय में लगभग 50,000 प्रिंटेड बुक्स हैं, जिनमें से 10,000 पुस्तकें हिंदी साहित्य पर आधारित हैं। पुस्तकालय में जल्द ही भारतीय ज्ञान परंपरा पर भी एक नया कलेक्शन जोड़ा गया है।

NITTR Bhopal

A grand function was organized at NITTTR, Bhopal. Director Prof. C.C. Tripathi hoisted the flag and addressed all members, officials, employees, and their families. He said that wherever we are working, let us all ensure our role in transforming the country from developing to developed country. He highlighted that we have made many big achievements after independence.

Tripathi said today our voice is being heard in the world. India is continuously moving on the path of becoming a world leader. Prof. Tripathi informed everyone about the new efforts for institute development.

Under the new developments institute is doing remarkable work in the fields of drone technology, semiconductor, green energy, AI/ML. With the recognition of Deemed University, degree, diploma and PhD courses on new subjects have been started in the institute. Cultural programs were also organized on this occasion. Mrs. Vandana Tripathi, Prof. R.K. Dixit, Prof. Subrat Roy and other faculty members and officers and staff were present in this program.

'मैं' से 'हम' बनें तो संस्थान आगे बढ़ेंगे: डॉ. धीरेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एनआईटीटीटीआर में 17 से 19 मार्च तक उच्च शिक्षा विभाग के प्रधानमंत्री उत्कृष्टता और स्वशासी महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए संस्थान के प्रशासन और प्रबंधन के लिए शैक्षणिक नेतृत्व विकास विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। बुधवार को समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल, ओएसडी, उच्च शिक्षा विभाग ने कहा कि जिस संस्थान में आप कार्य करते हैं, वह आपके लिए सर्वोपरि होना चाहिए। 'मैं' से 'हम' बने तो संस्थान आगे बढ़ेंगे। आप सभी कुशल प्रशासक के रूप में उदहारण प्रस्तुत करें। प्रो. संतोष भार्गव ने प्राचार्यों के प्रभावी नेतृत्व के गुणों को रेखांकित किया।

दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं

एनआईटीटीटीआर के निदेशक, प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कहा कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। प्राचार्यों का कर्तव्य है कि वे अपने महाविद्यालयों में एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहां छात्र, शिक्षक और प्रशासन एक साथ मिलकर संस्थान के उद्देश्यों की ओर अग्रसर हो सकें।

स्टूडेंट को वोकेशनल एजुकेशन के लिए प्रेरित करें, ताकि वे व्यवसाय की ओर बढ़ें

भोपाल | एनआईटीटीटीआर भोपाल में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर्स के लिए 12 दिनी विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस मौके डायरेक्टर प्रो. सीसी त्रिपाठी ने शिक्षक स्टूडेंट्स की अर्हता निर्माण के साथ क्षमता निर्माण पर भी फोकस करें एवं स्टूडेंट को वोकेशनल एजुकेशन के लिए प्रेरित करें। ताकि वे रोजगार की जगह पूरे विश्वास के साथ व्यवसाय की ओर कदम बड़ा सकें।

जनवरी माह में आयोजित कार्यक्रम

फरवरी माह में आयोजित कार्यक्रम

मार्च माह में आयोजित कार्यक्रम

जनसंपर्क प्रकोष्ठ

(संपर्क सरिता)

राजभाषा प्रकोष्ठ

समविश्वविद्यालय - विशिष्ट श्रेणी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

(समविश्वविद्यालय - विशिष्ट श्रेणी)

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार